



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 77]

नई दिल्ली, रविवार, मार्च 1, 1981/फाल्गुन 10, 1902

No. 77]

NEW DELHI, SUNDAY, MARCH 1, 1981/PHALGUNA 10, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्र संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1981

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सांकांनि० 91(अ) --केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1980 (1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची में वर्णित सभी माल को पूर्वोक्त वित्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्घाटनीय समस्त विशेष उत्पाद-शुल्क से, 1 मार्च, 1981 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए छूट देती है।

[सं० 19/81-सी०ई०]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st March, 1981

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 91(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980), the Central Government hereby exempts all the goods mentioned in the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 5 of the Finance Act aforesaid, for the period commencing on the first day of March, 1981, and ending on the 31st day of March, 1981.

[No. 19/81-CE]

सांकांनि० 92(अ) --केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1981 के खण्ड 49 के उपखण्ड (4), जो खण्ड अनन्तिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मब सं० 1, 1-क, 1-ख, 1-ग, 1-घ, 1-ङ, 2(2), 4-II(1), 4-II(3), 4-II(4), 4-II(5), 4-II(6), 4-II(7), 10, 11, 11-क(1), 11-क(3), 11-क(4), 11-क(5), 11-ग, 12, 14, 14-क, 14-कक, 14-ख, 14-खख, 14-ग, 14-घ, 14-घघ, 14-ङ, 14-ङक, 14-ङक, 14-ङख, 14-ङख, 15, 15-क, 15-कक, 15-ख, 15-खख, 15-ग, 15-घ, 16-क, 16-ख, 17, 22-ग, 22-ङ, 22-ङक, 23-क, 23-ख, 23-ग, 28-क, 29, 29-क, 30, 30-क, 30-ख, 31, 32, 33, 33-क, 33-ख, 33-ग, 33-घ, 33-घघ, 33-ङ, 33-ङक, 34, 34-क, 34-ख, 36, 37-क, 37-कक, 37-ख, 37-ग, 40, 44, 45, 46, 48, 49, 50, 51, 51-क, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66 और 67 के अन्तर्गत आने वाले माल को, उक्त वित्त विधेयक के खण्ड 49 के उपखण्ड (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना इस प्रकार प्रभाय उत्पाद-शुल्क के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन ऐसे माल पर प्रभाय उत्पाद-शुल्क की रकम के पांच प्रतिशत में अधिक है।

[सं० 20/81-सी०ई०]

**G.S.R. 92(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause (4) of clause 49 of the Finance Bill, 1981, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby exempts goods falling under Items Nos. 1, 1A, 1B, 1C, 1D, 1E, 2(2), 4II(1), 4II(3), 4II(4), 4II(5), 4II(6), 4II(7), 10, 11, 11A(1), 11A(3), 11A(4), 11A(5), 11C, 12, 14, 14A, 14AA, 14B, 14BB, 14C, 14D, 14DD, 14E, 14F, 14FF, 14G, 14H, 14HH, 15, 15A, 15AA, 15B, 15BB, 15CC, 15D, 16A, 16B, 17, 22C, 22E, 22G, 23A, 23B, 23C, 28A, 29, 29A, 30, 30A, 30B, 31, 32, 33, 33A, 33B, 33C, 33D, 33DD, 33E, 33F, 34, 34A, 34B, 36, 37A, 37AA, 37B, 37C, 40, 44, 45, 46, 48, 49, 50, 51, 51A, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66 and 67 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the special excise duty leviable thereon under sub-clause (1) of clause 49 of the said Finance Bill as is in excess of five per cent of the amount of duty of excise chargeable on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so chargeable.

[No. 20/81-CF]

**सां०का०नि० 93(प्र).**—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1981 के खण्ड 49 के उपखण्ड (4) जो खण्ड अन्तर्गत कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मब सं० 6, 7, 8, 9, 11-क(2), 11-ङ, 13, 38 और 68 के अन्तर्गत आने वाले सभी माल को, उक्त विधेयक के खण्ड 49 के उपखण्ड (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

[सं० 21/81-सी०ई०]

**G.S.R. 93(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause (4) of clause 49 of the Finance Bill, 1981, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby exempts all the goods falling under Item Nos. 6, 7, 8, 9, 11A(2), 11E, 13, 38 and 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the

whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-clause (1) of clause 49 of the said Finance Bill.

[No. 21/81-CE]

**सां०का०नि० 94(प्र).**—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1981 के खण्ड 49 जो खण्ड अन्तर्गत कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 और 12-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि जहां कोई माल पूर्वोक्त खण्ड के अधीन विशेष उत्पाद-शुल्क के अधीन किया गया है और जहां ऐसे माल का भारत के बाहर, किसी देश या राज्यक्षेत्र को जो नेपाल और भूटान से भिन्न हो, निर्यात करने पर, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार ने उक्त नियम 12 या नियम 12-क के अधीन किसी अधिसूचना द्वारा या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-क के अधीन घोषणा द्वारा, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन ऐसे माल पर दिए गए उत्पाद-शुल्क पर कोई रिबेट दिए जाने की अनुज्ञा दी है, वहां विशेष उत्पाद-शुल्क का रिबेट भी उन्हीं शर्तों के अधीन अनुज्ञान किया जाएगा जो जहाँ उत्पाद-शुल्क के रिबेट को लागू है।

[सं० 22/81-सी०ई०]

**G.S.R. 94(E).**—In exercise of the powers conferred by rules 12 and 12A of the Central Excise Rules, 1944, read with clause 49 of the Finance Bill, 1981, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby directs that where any goods have been subjected to a special duty of excise under the aforesaid clause and where on the export of such goods to any country or territory outside India, other than Nepal and Bhutan, the Central Government, by a notification under the said rule 12 or rule 12A, or the Central Board of Excise and Customs, by a declaration under rule 191A of the Central Excise Rules, 1944, as the case may be, has allowed a rebate of excise duty paid on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), a rebate of the special duty of excise shall also be allowed subject to the same conditions as govern the rebate of excise duty.

[No. 22/81-CE]

**सां०का०नि० 95(प्र).**—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1981 खण्ड 49 जो खण्ड अन्तर्गत कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि जहां कोई माल पूर्वोक्त खण्ड के अधीन विशेष उत्पाद-शुल्क दिए जाने के दायित्वाधीन है, और जहां केन्द्रीय सरकार ने, उक्त नियम 191-ख के अधीन जारी की गई अधिसूचना द्वारा ऐसे माल से बन्धपत्राधीन विनिर्मित वस्तुओं के विनिर्माण की अनुज्ञा दी है, वहां ऐसे माल से बन्धपत्राधीन ऐसी वस्तुओं का विनिर्माण भी पूर्वोक्त खण्ड के प्रयोजनों के लिए उन्हीं शर्तों के अधीन अनुज्ञेय होगा जो शर्तें उक्त नियम 191-ख के अधीन ऐसे विनिर्माण को लागू है।

[सं० 23/81-सी०ई०]

**G.S.R. 95(E).**—In exercise of the powers conferred by rule 191B of the Central Excise Rules, 1944, read with clause 49 of the Finance Bill, 1981, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby directs that where any goods are liable to special duty of excise under the aforesaid clause and where the Central Government has, by a notification issued under the said rule 191B, permitted the manufacture of specified articles in bond from such goods, manufacture of such articles in bond from such goods shall also be permissible for the purpose of the aforesaid clause subject

to the same conditions as govern such manufacture under the said rule 191B.

in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 30/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely :—

[No. 23/81-CE]

In the said notification,—

सांकांनि० 96(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1980 (1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाएँ विधिविहित करती हैं, अर्थात् :—

1. 22/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1980 ।
2. 23/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1980 ।
3. 69/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 ।
4. 71/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 ।

[सं० 24/81-सी०ई०]

**G.S.R. 96(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980), the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), namely:—

1. 22/80-Central Excises, dated the 25th March, 1980.
2. 23/80-Central Excises, dated the 25th March, 1980.
3. 69/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980.
4. 71/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980.

[No. 24/81-CE]

सांकांनि० 97(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अनिश्चित उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की पधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 30/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 से निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

- (i) सारणी के स्तम्भ (2) में, जहाँ कहीं “इक्कीम रुपए प्रति एक हजार” शब्द आते हैं, उनके स्थान पर “इक्कीम रुपए पच्चीस पैसे प्रति एक हजार” शब्द रखे जाएंगे, और
- (ii) परन्तुक्त में, “76 : 24” श्रृंखला के स्थान पर “72.5 : 27.5” श्रृंखला रखे जाएंगे ।

[सं० 25/81-सी०ई०]

**G.S.R. 97(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India

(i) in column (2) of the Table, for the words “twenty one rupees per one thousand”, wherever they occur, the words “twenty one rupees and twenty five paise per one thousand” shall be substituted; and

(ii) in the proviso, for the figures “76 : 24”, the figures “72.5 : 27.5” shall be substituted.

[No. 25/81-CE]

सांकांनि० 98(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 15-अख के अन्तर्गत आने वाली पीलीगुस्टर फिल्मों को, उन पर उद्घटनीय उनसे उत्पाद-शुल्क से छूट देनी है जिसका मूल्य के तीस प्रतिशत से अधिक है :

परन्तु जहाँ पूर्वोक्त फिल्मों का विनिर्माण पूर्वोक्त पहली अनुसूची की मद सं० 15-क की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले कृत्रिम या सॉफ्टवेयर रेजिन और प्लास्टिक सामग्री से किया जाता है और जिन पर, यथास्थिति, समुचित उत्पाद-शुल्क या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन अतिरिक्त शुल्क का संदाय पहले ही कर दिया गया है वहाँ उक्त फिल्मों को भी उन पर उद्घटनीय उनसे उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त होगी जितना, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क के या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन अतिरिक्त शुल्क के जिसका पहले ही संदाय कर दिया गया है, बराबर है :

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना के अधीन छूट के सम्बन्ध में, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56-क में उपबर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है ।

[सं० 26/81-सी०ई०]

**G.S.R. 98(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts polyester films, falling under Item No. 15BB of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of 30 per cent ad valorem :

Provided that where the aforesaid films are manufactured from artificial or synthetic resins and plastic materials, falling under sub-item (1) of Item No. 15A of the aforesaid First Schedule and on which the appropriate duty of excise or the additional duty under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, has already been paid, the said films shall also be exempt from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the duty of excise or the additional duty under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, which has already been paid :

Provided further that in relation to the exemption under this notification, the procedure set out in rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, is followed.

[No. 26/81-CE]

सांकांनि० 99(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे यन्त्रों के टायरों को जो इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट हैं और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 16 की उस उपमद के अन्तर्गत आते हैं जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्समानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं, उन पर

उत्प्रेक्षणीय उसने उत्पाद-शुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तस्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है, उसके स्तम्भ (5) में की तस्स्थानी प्रविष्टि में अधिकारित शर्तों के, यदि कोई हों, अधीन रहते हुए छूट देती है।

## सारणी

क्रम सं०	उप मद सं०	टायरों का वर्णन	शुल्क की दर	शर्तें
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	I(1)	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 34 की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले दो पहिये और तीन पहिये वाले मोटर यान के लिए टायर।	कुछ नहीं	यदि,— (i) ऐसे अधिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे टायर ऐसे दो-पहिये और तीन-पहिये वाले मोटरयान के विनिर्माताओं द्वारा ऐसे मोटर-यान में मूल उपकरण टायरों के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए आशयित हैं; (ii) ऐसे टायरों पर "मू०उ०" स्पष्ट रूप से चिह्नित किया गया है; और (iii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपबणित प्रक्रिया का ऐसे टायरों के सम्बन्ध में अनुसरण किया जाता है।
2.	I(1)	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 34 की उपमद I(1) के अन्तर्गत आने वाले दो-पहिये या तीन पहिये वाले मोटर यान, अर्थात् स्कूटर, मोटर साइकिल, मोपेड और आटो-साइकिल के लिए टायर।	मूल्य का पञ्चवीन प्रतिशत	—
3.	I(1)	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 34 की उपमद I(1) के अन्तर्गत आने वाली पावरबालित साइकिल और पावरबालित साइकिल रिकशा के लिए टायर।	कुछ नहीं	—
4.	I(1)	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 34 की उपमद I(2) के अन्तर्गत आने वाली सैलून कार के लिए टायर।	कुछ नहीं	यदि,— (i) ऐसे अधिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे टायर ऐसी सैलून कार के विनिर्माताओं द्वारा ऐसी कार में मूल उपकरण टायरों के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए आशयित हैं, (ii) ऐसे टायरों पर "मू०उ०" स्पष्ट रूप से चिह्नित किया गया है; और (iii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपबणित प्रक्रिया का ऐसे टायरों के सम्बन्ध में अनुसरण किया जाता है।
5.	I(1)	मोटर यात्र के लिए टायर और यान या उपकरण के लिए टायर जो सड़क से मिश्र प्रयोग के लिए परिकल्पित हैं।	मूल्य का पञ्चवीन प्रतिशत	—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
6	I(2)	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 34 की उपमद II के अन्तर्गत आने वाले कृषि ट्रैक्टरों के लिए टायर (जिनके अन्तर्गत पलैप नहीं हैं)।	कुछ नहीं	यदि,— (i) ऐसे अधिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पंक्ति में नाचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे टायर ऐसे कृषि ट्रैक्टरों के विनिर्माताओं द्वारा ऐसे ट्रैक्टरों में मूल उपस्कार टायरों के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए आशयित हैं; (ii) ऐसे टायरों पर "मू० उ०" स्पष्ट रूप से चिह्नित किया गया है; और (iii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उल्लिखित प्रक्रिया का ऐसे टायरों के सम्बन्ध में अनुसरण किया जाता है।
7.	I(2)	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 34 की उपमद II के अन्तर्गत आने वाले ट्रैक्टरों के लिए टायर, जिनके अन्तर्गत कृषि ट्रैक्टर भी हैं।	मूल्य का पञ्चीस प्रतिशत	---
8.	I(3)	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 34 की उपमद III के अन्तर्गत आने वाले ट्रैक्टरों के लिए टायर,— (i) कृषि ट्रैक्टरों के ट्रैक्टरों के लिए टायर (ii) ट्रैक्टरों के ट्रैक्टरों के लिए निम्नलिखित प्रकार के टायर— 7.50—16 और 9.00—16 (iii) अन्य	मूल्य का पञ्चीस प्रतिशत मूल्य का पञ्चीस प्रतिशत	--- ---
9.	II	उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाली साइकिल और साइकिल रिक्शा के लिए टायर।	कुछ नहीं	---

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

(क) "कृषि ट्रैक्टर" से अभिप्रेत है,—

(i) आठ बार हार्सपावर 50 और उससे कम का ट्रैक्टर;

(ii) 50 से अधिक आठ बार हार्सपावर का ट्रैक्टर, यदि ऐसे अधिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पंक्ति में नाचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसा ट्रैक्टर कृषि के प्रयोजनों के लिए अनन्य रूप से प्रयोग किया जाता है;

(ख) "पंक्चरवाहित साइकिल" या "पंपरवाहित साइकिल रिक्शा" से, यथास्थिति, ऐसी यंत्रनौदित साइकिल या यंत्रनौदित साइकिल रिक्शा अभिप्रेत है जिसे आवश्यकता पड़ने पर पैडल से भी चलाया जा सके।

[सं० 27/81/सी०ई०]

**G.S.R. 99(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rule, 1944, the Central Government hereby exempt tyres of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the sub-items, specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, of Item No. 16 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944, (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table, subject to the conditions, if any, laid down in the corresponding entries in column (5) thereof.

TABLE

Sl. No.	Sub-Item No.	Description of tyres	Rate of duty	Conditions
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	I(1)	Tyres for two wheeled and three wheeled motor vehicles, falling under sub-item I(1) of Item No. 34 of the said First Schedule.	Nil	If— (i) an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that such tyres are intended to be used as original equipment tyres in such two wheeled and three wheeled motor-vehicles respectively by the manufacturers of such motor vehicles;

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
				(ii) such tyres have been prominently marked "O.E.", and (iii) the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed in respect of such tyres
2.	I(1)	Tyres for two wheeled motor vehicles, falling under sub-item I(1) of Item No. 34 of the said First Schedule, namely, scooters, motor cycles, mopeds and auto-cycles	Twenty five per cent ad valorem	—
3.	I(1)	Tyres for powered cycles and powered cycle rickshaws falling under sub-item I(1) of item No. 34 of the said First Schedule	Nil	—
4.	I(1)	Tyres for saloon cars, falling under sub-item I(2) of Item No. 34 of the said First Schedule	Nil	If — (i) an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that such tyres are intended to be used as original equipment tyres in such saloon cars by the manufacturers of such cars, (ii) such tyres have been prominently marked "O.E."; and (iii) the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed in respect of such tyres
5.	I(1)	Tyres for motor vehicles, and tyres for vehicles, or equipments, designed for use off the road	Fifty-five per cent ad valorem	—
6.	I(2)	Tyres (excluding flaps) for agricultural tractors, falling under sub-item II of Item No. 34 of the said First Schedule	Nil	If (i) an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that such tyres are intended to be used as original equipment tyres in such agricultural tractors by the manufacturers of such tractors, (ii) such tyres have been prominently marked "O.E."; and (iii) the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed in respect of such tyres.
7.	II(2)	Tyres for tractors including agricultural Tractors falling under sub-item II of Item No. 34 of the said First Schedule	Twenty five per cent ad valorem	—
8.	II(3)	Tyres for trailers, falling under sub-item III of item No. 34 of the said First Schedule — (i) tyres for trailers of agricultural tractors  (ii) tyres for trailers of tractors of the following sizes— 7.50 — 16 and 9.00 — 16 (iii) Others	Twenty-five per cent ad valorem  Twenty-five per cent ad valorem  Fifty-five per cent ad valorem	—  —  —
9.	II	Tyres for cycles and cycle rickshaws, falling under Item No. 68 of the said First Schedule	Nil	—

Explanation—For the purposes of this notification —

(a) 'agricultural tractor' means—

(i) a tractor of Draw Bar Horse Power 50 and below,

(ii) a tractor of Draw Bar Horse Power exceeding 50 if an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that such tractor is used solely for agricultural purposes

(b) "powered cycle" or "powered cycle rickshaw" means a mechanically propelled cycle or a mechanically propelled cycle rickshaw which may also be pedalled, if any necessity arises for so doing.

सां.कां.निं. 100(अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं. 17 के अन्तर्गत आने वाले खेल कागज को, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देने के अधीन रहने हुए छूट देती है कि ऐसे कागज का नेशनल इन्स्टीट्यूट फॉर विजुअली हैबिक्ड, देहरादून द्वारा बिना गैर सागपत्र पर किसी अन्य विधानाय या गैर प्रेस को गीदे प्रभाव किया जाता है।

[सं. 28/81-सी ई]

**G.S.R. 100(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts braille paper, falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to the condition that such paper is supplied direct to a school for the blind or to a braille press against an indent placed by the National Institute for Visually Handicapped, Dehradun.

[No. 28/81-CE]

सां.कां.निं. 101(अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं. 19 को उपमद IV के अन्तर्गत आने वाले सूती फैब्रिक को, उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना मूल फैब्रिक पर उद्ग्रहणीय शुल्क, यदि पहले ही संदत्त न हो, अतः मूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, छूट देती है।

[सं. 29/81-सी ई]

**G.S.R. 101(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 the Central Government hereby exempts cotton fabrics, falling under sub-Item IV of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty leviable on the base fabrics, if not already paid, plus fifteen per cent ad valorem.

[No. 29/81-CE]

सां.कां.निं. 102(अ) —घनिष्ठ उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944, के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इसमें उपावृद्ध गारणी के सम्म (1) में विनिर्दिष्ट वर्णन के ऊनी फैब्रिक को जी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं. 21 की उपमद (1) के अन्तर्गत आने हैं, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना उसके सम्म (2) में की नत्थानी प्रविष्टि से विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है।

## सारणी

वर्णन	शुल्क की दर
हथकरघों पर लगे हुए, ऊनी फैब्रिक—	
(1) शक्ति या माप की सहायता के बिना प्रसंस्कृत	शून्य
(2) किसी रजिस्ट्रिकृत हथकरघा सहायकी सोया-इटी के या हथकरघा के विकास के प्रयोग के लिए सरकार द्वारा स्थापित या अनुमोदित किसी संगठन के स्वामित्ववासी किसी कारखाने द्वारा शक्ति की सहायता से प्रसंस्कृत।	शून्य
(3) हथकरघा विकास आयुक्त की सिफारिश पर भारत सरकार द्वारा इस निमित्त अनुमोदित किसी स्वतंत्र प्रसंस्करणकर्ता द्वारा प्रसंस्कृत।	मूल्य का तीन प्रतिशत

परन्तु इस प्रकार उद्ग्रहीत शुल्क की रकम का केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के साथ 2:1 के अनुपात में प्रभाजित किया गया।

गण्टीकरण —इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “स्वतंत्र प्रसंस्करणकर्ता” से ऐसा विनिर्दिष्ट अभिप्रेत है जो शक्ति की सहायता से सूती फैब्रिक के प्रसंस्करण से अन्य रूप में बना हुआ है और जिसका ऊनी गुन का कनाई या उनी फैब्रिकों की कनाई में लगे हुए किसी कारखाने में कोई सामयिक द्विग नहीं है।

[सं. 30/81-सी ई]

**G.S.R. 102(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts woollen fabrics of the description specified in column (1) of the Table hereto annexed and falling under sub-item (1) of Item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (2) thereof.

TABLE

Description	Rate of duty
1	2
Woollen fabrics woven on handlooms,—	
(i) processed without the aid of power or steam	Nil
(ii) processed with the aid of power by a factory owned by a registered handloom co-operative society or any organisation set up or approved by Government for the purpose of development of handlooms.	Nil
(iii) processed by an independent processor approved in this behalf by the Government of India on the recommendation of the Handloom Development Commissioner.	Three per cent. ad valorem

Provided that the amount of duty so levied shall be apportioned in the ratio of 2:1 between the duty leviable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), respectively.

**Explanation :** For the purposes of this notification “independent processor” means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of woollen fabrics with the aid of power and who has no proprietary interest in any factory engaged in the spinning of woollen yarn or weaving of woollen fabrics.

[No. 30/81-CE]

सां.कां.निं. 103 (अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं. 22 को उपमद (4) के अन्तर्गत आने वाले कृत्रिम फैब्रिक को, उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-

शुल्क से जितना मूल फैब्रिक पर उद्ग्रहणीय शुल्क, यदि पहले ही संवत् न हो, धन मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, छूट देती है।

[सं० 31/81-सी ई]

जी० आर० रूस्तगी, अवर सचिव

**G.S.R. 103(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts man-made fabrics, falling under sub-item (4) of Item No. 22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty leviable on the base fabrics, if not already paid, plus fifteen per cent. ad valorem.

[No. 31/81-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

**सा०का०नि० 104 (अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवेश देती है कि भारत सरकार के, यथास्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग या राजस्व और बीमा विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की प्रत्येक अधिसूचना जो इसमें उपाबद्ध मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, उक्त मारणी के स्तम्भ (3) में की तत्त्वानो प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, यथास्थिति, संशोधित या और संशोधित का जाएगी।

#### सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
1	2	3
1.	118/61—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 अप्रैल, 1961	उक्त अधिसूचना में, "तांबा मिश्र-धातुओं के स्क्रैप" शब्दों के स्थान पर "तांबा मिश्रधातुओं के अपशिष्ट या स्क्रैप" शब्द रखे जाएंगे।
2.	34/62—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1962	उक्त अधिसूचना में "से प्राप्त स्क्रैप" शब्दों के स्थान पर "से प्राप्त अपशिष्ट या स्क्रैप" शब्द रखे जाएंगे।
3.	213/63—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1963	उक्त अधिसूचना में,— (क) पहले पैरा "में, "मद सं० 26क की उपमद (3) के अन्तर्गत आने वाले तांबे के पाइप और ट्यूब" शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षर के स्थान पर "मद सं० 26क की उपमद (3) और उपमद (4) के अन्तर्गत आने वाले पाइप और ट्यूब अथवा पाइपों और ट्यूबों के लिए कवच और ब्लैक" शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

1	2	3
		(ख) दूसरे पैरा में, "तांबे के पाइप और ट्यूब" शब्दों के स्थान पर "पाइप और ट्यूब अथवा पाइपों और ट्यूबों के लिए कवच और ब्लैक" शब्द रखे जाएंगे।
4.	31/65—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1965	उक्त अधिसूचना के खंड (क) में,— (1) उपखंड (3) में,— (क) "स्क्रैप" शब्द के स्थान पर अपशिष्ट या स्क्रैप शब्द रखे जाएंगे; (ख) अन्त में 'या' शब्द अन्तःस्थापित किया जाएगा; (2) उपखंड (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपखंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:— “(1) उक्त मद सं० 26क की उपमद (1ख) के अन्तर्गत आने वाले तांबा या तांबा मिश्र-धातु के अपशिष्ट या स्क्रैप जिनके सम्बन्ध में तांबे या मिश्र-धातु की तांबा अन्तर्-वस्तुओं पर, यथास्थिति उत्पाद-शुल्क की या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय प्रतिरिक्त शुल्क की समुचित रकम का पहले ही संवाय कर लिया गया है”।
5.	134/65—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 अगस्त, 1965	उक्त अधिसूचना में,— (1) "मद 26ख की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले बिना गढ़े हुए जस्ता को" शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षर के स्थान पर "मद सं० 26ख की उपमद (1) और (1क) के अन्तर्गत आने वाले बिना गढ़े हुए जस्ता तथा जस्ता अपशिष्ट और स्क्रैप को" शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे; (2) खंड (ख) और (ग) में "स्क्रैप" शब्द के स्थान पर "अपशिष्ट या स्क्रैप" शब्द रखे जाएंगे;

1	2	3	1	2	3
		(3) खंड (ग) के पश्चात् निम्न-लिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्— “(घ) उक्त मद सं० 26ख की उपमद (1क) के अन्तर्गत आने वाले जस्ता के अपशिष्ट या स्कैप जिनके सम्बन्ध में, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क की या सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क की समुचित रकम का पहले ही संदाय कर दिया गया है।”			
6. 135/65—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 अगस्त, 1965		(i) खंड (ii) में, “स्कैप” शब्द के स्थान पर “अपशिष्ट या स्कैप” शब्द रखे जाएंगे ; (ii) खंड (iv) के पश्चात् निम्न-लिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :— “(v) उक्त मद सं० 26ख की उपमद (1क) के अन्तर्गत आने वाले जस्ता के अपशिष्ट या स्कैप जिनके सम्बन्ध में, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क की या सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क की समुचित रकम का पहले ही संदाय कर दिया गया है।”			(i) खंड (ii) में “स्कैप” शब्द के स्थान पर “अपशिष्ट या स्कैप” शब्द रखे जाएंगे ; (iii) खंड (iv) में अन्त में “या” शब्द अन्तःस्थापित किया जाएगा ; (iv) खंड (iv) के पश्चात् निम्न-लिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :— “(v) उक्त मद 26क की उपमद (1ख) के अन्तर्गत आने वाले तांबा या तांबा मिश्र-धातु के अपशिष्ट या स्कैप जिनके सम्बन्ध में तांबे या मिश्रधातु की तांबा अन्तर्वस्तुओं पर, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क की या सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क की समुचित रकम का पहले ही संदाय कर दिया गया है।”
			8. 166/69—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 जून, 1969		उक्त अधिसूचना में, “जस्ता भस्म, जस्ता ड्राम” शब्दों का लोप किया जाएगा।
			9. 104/73—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 अप्रैल, 1973		उक्त अधिसूचना में “उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले” शब्दों कोष्ठको और अंक के स्थान पर “उपमद (1क) के अन्तर्गत आने वाले” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।
			10. 43/75—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1975		उक्त अधिसूचना से उपावृद्ध मारणी के मन्त्र (5) में,— (1) क्रम सं० 2 के मामले, खंड (ख) में, “स्कैप” शब्द के स्थान पर “अपशिष्ट या स्कैप” शब्द रखे जाएंगे ; (2) क्रम सं० 4 और 7 के मामले, खंड (1) के उपखंड (ख) में, “स्कैप” शब्द के स्थान पर “अपशिष्ट या स्कैप” शब्द रखे जाएंगे। (3) क्रम सं० 9 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः-
7. 119/66—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 जुलाई, 1966		(1) “उपमद (1क) के अन्तर्गत आने वाली तांबे की तार की शलाकाओं, तार की छड़ों और ढली बस्तुओं व.ग. शब्दों, कोष्ठकों, अंक और अक्षर के पश्चात् “और उपमद (1ख) के अन्तर्गत आने वाले तांबे के अपशिष्ट और स्कैप को” शब्द, कोष्ठक अंक और अक्षर अन्तःस्थापित किए जाएंगे ;			

1	2	3	(1)	(2)	(3)
		स्थापित किया जाएगा ; अर्थात् :—	3. 213/63-Central Excises., in the said notification, — dated the 28th February 1963.	(a) in the first paragraph, for the words brackets, figures and letter “pipes and tubes of copper falling under sub-item (3) of Item No. 26A”, the words, brackets, figures and letter “pipes and tubes, or shells and blanks for pipes and tube, of copper, falling under sub-item (3) and sub-item (4), respectively, of Item No. 26A” shall be substituted.	
10. (कक)	अपशिष्ट और स्कैप	कुछ नहीं यदि वे निम्नलिखित किसी सामग्री या उनके संयोजन से बनाए जाते हैं. अर्थात् :— (क) पुराना एलुमिनियम स्कैप ; या (ख) अक्षत धातु से प्राप्त अपशिष्ट या स्कैप अथवा किसी भी रूप में कच्चा अक्षत एलुमिनियम अथवा दोनों का संयोजन जिस पर, यथास्थिति, समूचित उत्पाद-शुल्क या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अनि-रिक्त शुल्क का पहले ही संदाय कर दिया गया है”।	4. 31/65-Central Excises, dated the 28th February 1965	In the said notification, in clause (a) in sub-clause (iii) — (a) for the word “scrap”, the words “wastes or scrap” shall be substituted; (b) the word “or” shall be inserted at the end; (ii) after sub-clause (iii), the following sub-clause shall be inserted, namely :— “(iv) waste or scrap of copper and copper alloys, falling under sub-item (1b) of the said Item No. 26A, in respect of which the appropriate amount of duty of excise, or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid on the copper or the copper content of the alloys.”	
11. 169/80—केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 नवम्बर, 1980		उक्त अधिसूचना में “मद सं० 26क की उपमद (1) और (1क) के अन्तर्गत आने वाले” शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षर के स्थान पर “मद सं० 26क की उपमद (1), (1क) और (1ख) के अन्तर्गत आने वाले” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।			

[सं० 32/81—सीई]

G.S.R. 104(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue or Department of Revenue and Insurance), or Department of Revenue and Banking, as the case may be specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. Notification No. and date No.	Amendment
(1)	(2)
(3)	
1. 118/61-Central Excises, dated the 20th April, 1961	In the said notification, for the words “scrap of copper alloys”, the words “waste or scrap of copper alloys” shall be substituted.
2. 54/62-Central Excises., dated the 24th April, 1962.	In the said notification, for the words “scrap obtained from” the words “wastes or scrap obtained from” shall be substituted.

5. 134/65-Central Excises, dated the 20th August, 1965
- In the said notification, —
- (i) for the words, brackets, figures and letter, “zinc unwrought falling under sub-item (1) of Item 26B” the words, brackets figures and letters “zinc unwrought and zinc waste and scrap falling under sub-items (1) and (1a), respectively, of Item No. 26B” shall be substituted;
- (ii) in clauses (b) and (c), for the word “scrap”, the words “waste or scrap” shall be substituted;
- (iii) after clause (c), the following clause shall be inserted, namely : —
- “(d) waste or scrap of zinc, falling under sub-item (1a) of the said Item No. 26B, in respect of

(1)	(2)	(3)
		which the appropriate amount of duty of excise, or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid."
6.	135/65-Central Excises, dated the 20th August, 1965.	In the said notification,— (i) in clause (ii), for the word "scrap", the words "waste or scrap" shall be substituted; (ii) after clause (iv), the following clause shall be inserted, namely :— “(v) waste or scrap of zinc, falling under sub-item (1a) of the said Item No. 26B, in respect of which the appropriate amount of duty of excise, or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid.”
7.	119/66-Central Excises, dated the 16th July, 1966	In the said notification,— (i) for the words, brackets, figures and letter “falling under sub-item (1a)” the words, brackets, figures and letters “falling under sub-item (1a) and waste and scrap of copper falling under sub-item (1b)” shall be substituted; (ii) in clause (ii) for the word “scrap”, the words “waste or scrap” shall be substituted. (iii) in clause (iv), the word “or” shall be inserted at the end; (iv) after clause (iv), the following clause shall be inserted, namely :— “(v) waste or scrap of copper and copper alloys, falling under sub-item (1b) of the said Item No. 26A, in respect of which the appropriate amount of duty of excise, or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid on the copper or the copper content of the alloys.”
8.	168/69-Central Excises, dated the 21st June, 1969	In the said notification, the words “zinc ash, zinc dross” shall be omitted.
9.	104/73-Central Excises., dated the 21st April, 1973	In the said notification, for the words, brackets and figure “falling under sub-item (1)”, the words, brackets, figure and letter “falling under sub-item (1a)” shall be substituted.
(1)	(2)	(3)
10.	43/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975	In the Table annexed to the said notification, in column (5),— (i) against Serial No. 2, the clause (b), for the word “scrap”, the words “waste or scrap” shall be substituted; (ii) against Serial Nos. 4 and 7, in clause (1), in sub-clause (b), for the word “scrap” the words “waste or scrap” shall be substituted; (iii) after Serial No. 9 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—
(1)	(2)	(3) (4) (5)
	“10. (aa) Waste Nil and scrap	If manufactured from any of the following materials or a combination thereof, namely :— (a) old aluminium scrap; or (b) waste or scrap obtained from virgin metal or virgin aluminium in any crude form, or a combination of both on which appropriate duty of excise or the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, has already been paid.”
11.	169/80-Central Excises, dated the 1st November, 1980	In the said notification, for the words, brackets, figures and letter, “falling” under sub-items (1) and (1a) of Item No. 26A, the words, brackets, figures and letters “falling under sub-items (1), (1a) and (1b) of Item No. 26A,” shall be substituted.

सा० का० नि० 105(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 26क, 26ख, 27 और 27क के अन्तर्गत आने वाले तांबा, जस्ता, एलुमिनियम और सीसा के अपशिष्ट और स्कैप को, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से इस शर्त के अधीन रहते हुए, छूट देती है कि—

- (क) ऐसे अपशिष्ट और स्कैप का उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 26क, 26ख, 27 और 27क के अन्तर्गत आने वाले तांबा, जस्ता, एलुमिनियम या सीसा से विनिर्माण किया जाता है जिनपर, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क की या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क की समुचित रकम का पहले ही संदाय कर दिया गया है; या
- (ख) ऐसे अपशिष्ट और स्कैप उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 26क, 26ख, 27 और 27क से भिन्न किसी मद सं० के अन्तर्गत आने वाले ऐसे उत्पादों से उत्पन्न होने हैं जिनका विनिर्माण उक्त तांबा, जस्ता, एलुमिनियम या सीसा से किया जाता है।

[सं० 33/81—सी ई]

**G.S.R. 105(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts waste and scrap of copper, zinc, aluminium and lead, falling under Item Numbers 26A, 26B, 27 and 27A, respectively, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to condition that—

- (a) such waste and scrap are manufactured from copper, zinc, aluminium or lead, falling under the Item Numbers 26A, 26B, 27 and 27A, respectively, of the said First Schedule on which appropriate amount of duty of excise, or as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid; or
- (b) such waste and scrap arise from products, falling under any Item Number of the said First Schedule other than Item Numbers 26A, 26B, 27 and 27A, manufactured from the said copper, zinc, aluminium or lead.

[No. 33/81-CE]

सा० का० नि० 106(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद संख्यांक 26क, 26ख, 27 और 27क के अन्तर्गत आने वाले तांबा, जस्ता, एलुमिनियम और सीसा के अपशिष्ट और स्कैप को इस शर्त के अधीन रहते हुए छूट देती है कि उक्त अपशिष्ट और स्कैप का उत्पादन के कारखाने के भीतर तांबा, जस्ता, एलुमिनियम या सीसा के विनिर्माण में प्रयोग किया जाता है।

[सं० 34/81—सी ई]

**G.S.R. 106(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts waste and scrap of copper, zinc, aluminium and lead, falling under Item Numbers 26A, 26B, 27 and 27A, respectively, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to the condition that the said waste and scrap are used in the manufacture of copper, zinc, aluminium or lead within the factory of production.

[No. 34/81-CE]

सा० का० नि० 107 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क-नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद संख्यांक 26क, 26ख, 27 और 27क के अन्तर्गत आने वाले तांबा, जस्ता, एलुमिनियम और सीसा के अपशिष्ट और स्कैप को, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है—

परन्तु यह तब जब कि,—

- (i) किसी ऐसे अधिकारी को जो महाश्वक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, समाधानप्रद रूप में यह साबित कर दिया जाता है कि उक्त अपशिष्ट या स्कैप रसायनों के विनिर्माण में प्रयोग के लिए आशयित है, और
- (ii) पूर्वोक्त अपशिष्ट या स्कैप के उत्पादन के कारखाने से भिन्न स्थान पर ऐसे प्रयोग के सम्बन्ध में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपबर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।

[सं० 35/81—सी ई]

**G.S.R. 107(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts waste and scrap of copper, zinc, aluminium and lead, falling under Item Numbers 26A, 26B, 27 and 27A, respectively, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

Provided that—

- (i) it is proved to the satisfaction of an officer not below the rank of Assistant Collector of Central Excise that the said waste or scrap is intended to be used in the manufacture of chemicals, and
- (ii) in respect of such use elsewhere than in the factory of production of the aforesaid waste or scrap, the procedure set out in Chapter X of the Central Excises Rules, 1944, is followed.

[No. 35/81-CE]

सा० का० नि० 108 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 26ख की उपमद (2क) के अन्तर्गत आने वाले जस्ता कैलोड को, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना चौदह सौ पचहत्तर रुपए प्रति मीटरी टन से अधिक है, यदि वे निम्नलिखित किसी सामग्री या उनके संयोजन से बनाए जाते हैं, अर्थात्:—

- (i) जस्ता के पुराने स्कैप,
- (ii) बिना गढ़े हुए जस्ते से प्राप्त अपशिष्ट या स्कैप जिसपर, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क की उचित रकम का संदाय कर दिया गया है;
- (iii) बिना गढ़ा हुआ जस्ता जिस पर, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क की उचित रकम का संदाय कर दिया गया है;
- (iv) खले बाजार में क्रय किया गया बिना गढ़ा हुआ जस्ता;
- (v) उक्त पहली अनुसूची की मद सं० 26ख की उपमद (1क) के अन्तर्गत आने वाला अपशिष्ट या स्कैप जिस पर, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51)

की धारा 3 के अन्तर्गत उद्ग्रहणीय अनिश्चित शुल्क की उचित रकम का सदाय कर दिया गया है।

[सं 36/81 सी०ई०]

**G.S.R. 108(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts zinc calots, falling under sub-item (2a) of Item No. 26B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of one thousand four hundred and seventy five rupees per metric tonne, if made from any of the following materials or combination thereof, namely:—

- (i) old scrap of zinc;
- (ii) waste or scrap obtained from zinc unwrought on which appropriate amount of duty of excise, or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has been paid;
- (iii) zinc unwrought on which appropriate amount of duty of excise, or as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has been paid;
- (iv) zinc unwrought purchased from the open market;
- (v) waste or scrap, falling under sub-item (1a) of Item No. 26B of the said First Schedule on which the appropriate amount of duty of excise or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has been paid.

[No. 36/81-CE]

**सा० का० नि० 109 (अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 1361/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 20 अगस्त 1965 को अत्रिक्रान्त करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 27क की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले बिना गढ़े हुए सीमा की, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क में छूट देती है यदि ऐसे बिना गढ़े हुए सीमा का उत्पादन निम्नलिखित एक या अधिक मामलों में किया जाता है, अर्थात्—

- (क) सीमा का पुराना स्क्रप
- (ख) बिना गढ़े हुए सीमा से प्राप्त स्क्रैप जिस पर, यथास्थिति उत्पादन शुल्क की या सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अन्तर्गत उद्ग्रहणीय अनिश्चित शुल्क की समुचित रकम का सदाय कर दिया गया है;
- (ग) उक्त मद 27क की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले सीमा के अपशिष्ट या स्क्रैप जिस पर यथास्थिति उत्पाद-शुल्क की या सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अन्तर्गत उद्ग्रहणीय अनिश्चित शुल्क का समुचित रकम का सदाय कर दिया गया है

परन्तु जहां विनिर्माण ऐसे बिना गढ़े हुए सीमा का, सीसा अथवा सल्फर में ऐसे स्क्रैप के साथ सम्मिश्रण करके विनिर्माण करता है वहां इस प्रकार विनिर्मित बिना गढ़े हुए सीमा की उतनी मात्रा है शुल्क में छूट प्राप्त होगी, जहां मात्रा निम्नलिखित फार्मूले के अनुसार अनुपातित मात्रा के अधिका है—

$$\left( \text{शु०सी०} \times \frac{\text{सा०}}{100} \times \frac{9}{10} \right)$$

इस फार्मूले में शु०सी० शुल्क सीमा अथवा सल्फर का भार है, और सा०

शुल्क सीमा या सल्फर के 100 भागों में से (भाग के अनुसार) सीसे के भागों का संख्या है।

[सं 37/81 सी०ई०]

र० कु० चक्रवर्ती, उप सचिव

**G.S.R. 109(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 136,65-Central Excises, dated the 20th August, 1965, the Central Government hereby exempts lead unwrought, falling under sub-item (1) of Item No. 27A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), if such lead unwrought is produced out of one or more of the following materials, from the whole of the duty of excise leviable thereon, namely:—

- (a) old scrap of lead;
- (b) scrap obtained from lead unwrought on which appropriate amount of duty of excise, or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has been paid;
- (c) waste or scrap of lead, falling under sub-item (2) of the said Item 27A on which appropriate amount of duty of excise, or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has been paid;

Provided that where a manufacturer manufactures such lead unwrought from lead ore concentrate in admixture with such scrap, only that quantity of the lead unwrought so manufactured, shall be exempt from duty as is in excess of the quantity determined in accordance with the following formula:—

$$\left( DW \times \frac{P}{100} \times \frac{9}{10} \right)$$

where,—

DW is the weight of dry lead ore concentrate; and P is the number of parts (by weight) of lead in 100 parts of the dry lead ore concentrate.

[No. 37/81-CE]

R. K. CHAKRABARTI, Dy. Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली 1 मार्च, 1981

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

**सा० का० नि० 110 (अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 79/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च, 1979 को अत्रिक्रान्त करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 37क की उपमद (i), (ii) और (v) के अन्तर्गत आने वाले—

- (क) ग्रामोफोन रिकार्ड प्लेयर, रिकार्ड प्लेयर डेक या रिकार्ड चेन्जर डेक;
- (ख) ग्रामोफोन, रिकार्ड प्लेयर, रिकार्ड प्लेयर डेक या रिकार्ड चेन्जर डेक के पुर्तों और उपयुक्त, और
- (ग) ग्रामोफोन का गुंझा या ट्राइली,

जहां उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क में छूट देती है जितना मूल्य इस परिणत में अधिका है

परन्तु किसी प्रयोजन पर जहां मूल्य केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर के पाक में नीचे का न हो, यह समझाया हो जाता है कि ऐसे औद्योगिक

एक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, स्थापित मयल और मशीनरी पर समय-समय पर किए गए पूर्ण विनिर्माण के मूल्य की कुल राशि बीस लाख रुपए से अधिक नहीं है।

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शुल्क की निम्नतर दर ऐसे विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक औद्योगिक एककों से घरेलू उपभोग के लिए किसी वित्तीय वर्ष के दौरान पच्चीस लाख रुपए से अधिक मूल्य तक की उक्त माल की निकासी को ही लागू होगी।

परन्तु यह और भी कि इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता का लागू नहीं होगी यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक औद्योगिक एककों से घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पचास लाख रुपए से अधिक हो गया हो।

**स्पष्टीकरण :—**पूजी विनिर्माण के मूल्य का कुल राशि का अधधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिर्माण किया गया था, विनिर्माण का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे सयल और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से म्यादी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिर्माण का मूल्य ऐसे अधधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।

2 यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं 38/81 सी०ई०]

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st March, 1981

### CENTRAL EXCISES

**G.S.R. 110(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 79/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts—

- gramophones, record players, record playing decks or record changer decks;
- parts and accessories of gramophones record players, record playing decks or record changer decks; and
- gramophone needles or styli,

falling under sub-items (i), (ii) and (v) respectively of Item No. 37A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said goods) from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of ten per cent ad valorem:

Provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of capital investment made from time to time on plant and machinery installed in an industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees twenty lakhs:

Provided further that the lower rate of duty as specified in this notification shall apply only to the first clearances of the said goods, for home consumption, by or on behalf of a manufacturer, from one or more industrial units, upto a value not exceeding rupees twenty-five lakhs during a financial year:

Provided also that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if the total value of clearances of the said goods, for home consumption, by him or on his behalf, from one or more industrial units, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifty lakhs

**Explanation.**—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently

from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[No 38/81-CE]

**सा० का० नि० 111 (अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) का अधिसूचना सं० 99/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 में निम्नलिखित मशीन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना के स्पष्टीकरण के खंड (1) में स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्,—

“(1) (क) बक्से बनाने,

(ख) फ्रेम भरने,

(ग) दिवासलाई की नीली क मिरा के लिए मस्मिश्रण में स्प्रिंट का डिबोने

(घ) दिवासलाई का बक्से में भरने,

(ङ) लेबल और बैण्डररान लगाने और

(च) पैक करने

क निम्न शर्तों के अधीन प्रक्रिया में निम्नलिखित शक्ति की सहायता से का जाने वाली प्रक्रिया नहीं समझी जाएगी, ”।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं 39/81 सी०ई०]

**G.S.R. 111(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 99/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980, namely:—

In the said notification, in the Explanation, for clause (i), the following clause shall be substituted, namely:—

“(i) no process other than the mechanical process employed for—

(a) box making,

(b) frame filling,

(c) dipping of splints in the composition for match heads,

(d) filling of boxes with matches.

(e) labelling and banderolling, or

(f) packaging,

shall be deemed to be a process ordinarily carried on with the aid of power;”.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[No. 39/81-E]

**सा० का० नि० 112 (अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 98/80-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 19 जून, 1980 को अधिकारित करते हुए, ऐसी दिवासलाई को जिनके विनिर्माण में या विनिर्माण के सम्बन्ध में कोई प्रक्रिया सामान्यतया शक्ति की सहायता से की जाती है और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1914 (1941 का 1) की पहली अधिसूचना की मद सं० 38 के अन्तर्गत आती है तथा जिनकी निर्यात विभिन्न विनिर्माता द्वारा घरेलू उपभोग के लिए की जाती है, उन पर उद्घटनीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती

ऐ जितना पैसे 30 दियासलाईयों के बक्सों के प्रति गुरुम पर 1/10  
रुपये में अधिक है।

परन्तु यह तब जब कि—

- (1) ऐसे बक्सों में जिनकी बाहरी स्लाइड और भीतरी स्लाइड कार्ड-बोर्ड में बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाईयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुम पर साठ पैसे बढ़ा दी जाएगी,
  - (2) ऐसे बक्सों में जिनकी भीतरी स्लाइड ही कार्ड-बोर्ड में बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाईयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुम पर चौबीस पैसे बढ़ा दी जाएगी।
- 2 यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं 40/81-सी०ई०]

**G.S.R. 112(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 98/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980, the Central Government hereby exempts matches, in or in relation to the manufacture of which any process is ordinarily carried on with the aid of power, falling under Item No. 38 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and cleared for home consumption by a manufacturer, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 7.20 per gross boxes of 50 matches each:

Provided that—

- (i) in the case of matches packed in boxes in which both the outer slide as well as the inner slide are made of card board, the amount of exemption shall be increased by sixty paise per gross of boxes;
- (ii) in the case of matches packed in boxes in which the inner slide alone is made of card board, the amount of exemption shall be increased by twenty-four paise per gross of boxes.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[No. 40/81-CF]

**सं० का० नि० 113 (अ)**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसी दियासलाईयों को जिनके विनिर्माण में या विनिर्माण के सम्बन्ध में निम्नलिखित एक या अधिक यांत्रिक प्रक्रियाएँ, अर्थात्

- (1) बक्से बनाना;
- (2) फ्रेम भरना
- (3) दियासलाई की नीली के मिरो के लिए मग्निश्रण में स्प्लिट को डिवोना;
- (4) दियासलाईयों को बक्से में भरना;
- (5) लेबल और बैण्डरोल लगाना; और
- (6) पैक करना,

सामान्यतया शक्ति की सहायता में की जाती है और जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1911 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 38 के अन्तर्गत आती है तथा जिनकी निकामी किसी विनिर्माणा द्वारा घरेलू उद्देश्य के लिए की जाती है, उन पर उद्घरणगीय उतने उत्पाद-शुल्क में छूट देती है जितना प्रत्येक 50 दियासलाईयों के बक्सों के प्रति गुरुम पर 5.50 रुपये में अधिक है।

परन्तु यह तब जब कि—

- (1) ऐसे बक्सों में जिनकी बाहरी स्लाइड और भीतरी स्लाइड कार्ड-बोर्ड में बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाईयों की

दशा में छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुम पर साठ पैसे बढ़ा दी जाएगी।

- (2) ऐसे बक्सों में जिनकी भीतरी स्लाइड ही कार्ड-बोर्ड में बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाईयों की दशा में छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुम पर चौबीस पैसे बढ़ा दी जाएगी,
- (3) छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुम पर पचास पैसे, यथास्थिति, बढ़ा दी जाएगी या और बढ़ा दी जाएगी यदि स्प्लिट के लिए या स्प्लिट और बेनियर के लिए बास का प्रयोग किया जाता
- (4) यदि ऐसी दियासलाईयों के स्प्लिट बास के बनाए जाते हैं और दियासलाईया 40 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती हैं तो शुल्क की दर समग्र वर्णन की ऐसी दियासलाईया को जो एक ही कारखाने में उत्पादित की जाती हैं किन्तु 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती हैं, लागू दर की 4/5 होगी और यदि 50 के हिसाब से बक्सों में ऐसी पैकिंग नही की जाती है तो वह 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की गई दियासलाईया के लिए काल्पनिक रूप में अवधारित दर की 4/5 होगी।

परन्तु यह और कि किसी अधिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क क्लर्क की पंक्ति में नीचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे औद्योगिक एकक में जिसमें निकामी किए जाते वाले उक्त सामान का विनिर्माण किया जाता है, स्थापित संयंत्र और मशीनरी पर, समय-समय पर किए गए पूंजी विनिर्धान के मूल्य की कुल राशि बीस लाख रुपये से अधिक नहीं है।

**स्पष्टीकरण:**—पूँजी विनिर्धान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिर्धान किया गया था, विनिर्धान का अंकितमूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिर्धान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं 41/81-सी०ई०]

**G.S.R. 113(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts matches in or in relation to the manufacture of which any one or more of the following mechanical processes, namely:—

- (i) box making;
- (ii) frame filling;
- (iii) dipping of splints in the composition for match heads;
- (iv) filling of boxes with matches;
- (v) labelling and banderolling; and
- (vi) packaging,

is ordinarily carried on with the aid of power, falling under Item No. 38 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and cleared for home consumption by a manufacturer, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 5.50 per gross boxes of 50 matches each:

Provided that—

- (i) in the case of matches packed in boxes in which both the outer slide as well as the inner slide are made of card board, the amount of exemption shall be increased by sixty paise per gross of boxes;
- (ii) in the case of matches packed in boxes in which the inner slide alone is made of card board, the amount of exemption shall be increased by twenty-four paise per gross of boxes;
- (iii) the amount of exemption shall be increased, or further increased, as the case may be, by fifty paise per

gross of boxes if bamboo is used for the splints or for both splints and veneers.

- (iv) if the splints of such matches are made of bamboo and the matches are packed in boxes of 40s, the rate of duty shall be four-fifths of the rate applicable to matches of identical description produced in the same factory but packed in boxes of 50s and if such packing in boxes of 50s is not done, it shall be four-fifths of the notionally determined rate for matches packed in boxes of 50s

Provided further that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured, is not more than rupees twenty lakhs

Explanation.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[No. 41/81-CE]

सां.कां.नि० 114 (अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसी दियामलाइयों को जिनके विनिर्माण में या विनिर्माण के सम्बन्ध में निम्नलिखित कोई भी यांत्रिक प्रक्रिया, अर्थात्:—

- (1) बक्से बनाना ;
- (2) फ्रेम भरना ;
- (3) दियामलाई की तीली के सिरो के लिए मम्मिश्रण में स्प्लिट को डिट्रोना ;
- (4) दियामलाईयों को बक्से में भरना ;
- (5) लेबल और वेण्डरोल लगाना , और
- (6) पैक करना ;

सामान्यता शक्ति की सहायता से नहीं की जाती है और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 38 के अन्तर्गत आती है तथा जिनकी निकासी किसी विनिर्माता द्वारा धरेलू उपभाग के लिए की जाती है उन पर उद्ग्रहणीय उनसे उत्पाद-शुल्क में छूट देनी है जिनका प्रत्येक 50 दियामलाईयों के बक्सों के प्रति ग्राम पर 1 50 रुपए में अधिक है परन्तु यह तब जब कि:—

- (1) ऐसे बक्सों में जिनकी बाहरी स्लाइड और भीतर की स्लाइड कार्ड-बोर्ड से बनाई जाती है, पैक की गई दियामलाईयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति ग्राम पर साठ पैसे बढ़ा दी जाएगी ;
- (2) ऐसे बक्सों में जिनकी भीतर की स्लाइड ही कार्ड-बोर्ड से बनाई जाती है पैक की गई दियामलाईयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति ग्राम पर बीबीस पैसे बढ़ा दी जाएगी
- (3) छूट की रकम बक्सों के प्रति ग्राम पर पचास पैसे, यथास्थिति, बढ़ा दी जाएगी या और बढ़ा दी जाएगी यदि स्प्लिट के लिए या स्प्लिट और वेनियर के लिए बास का प्रयोग किया जाता है
- (4) यदि ऐसी दियामलाईयों के स्प्लिट बास से बनाए जाते हैं और दियामलाईयों 40 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती

— या शुल्क की दर, समान रूप से या ऐसी दियामलाईयों में जिनकी बाहरी स्लाइड में उपादित की जाती है किन्तु 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती है, लागू दर की 4/5 हामी और यदि 50 के हिसाब से बक्सों में ऐसी पैकिंग नहीं की जाती है तो वह 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की गई दियामलाईयों के लिए कायनिक रूप से आधारीत दर की 4/5 होगी।

2 यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं० 42/81 सी ई]

**G.S.R. 114(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts matches in or in relation to the manufacture of which none of the following mechanical processes, namely:—

- (i) box making;
- (ii) frame filling;
- (iii) dipping of splints in the composition for match heads;
- (iv) filling of boxes with matches;
- (v) labelling and banderolling; and
- (vi) packaging.

is ordinarily carried on with the aid of power, falling under Item No. 38 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and cleared for home consumption by a manufacturer, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 4.50 per gross boxes of 50 matches each :  
Provided that—

- (i) in the case of matches packed in boxes in which both the outer slide as well as the inner slide are made of card board, the amount of exemption shall be increased by sixty paise per gross of boxes ;
- (ii) in the case of matches packed in boxes in which the inner slide alone is made of card board, the amount of exemption shall be increased by twenty-four paise per gross of boxes ;
- (iii) the amount of exemption shall be increased, or further increased, as the case may be, by fifty paise per gross of boxes if bamboo is used for the splints or for both splints and veneers ;
- (iv) if the splints of such matches are made of bamboo and the matches are packed in boxes of 40s, the rate of duty shall be four-fifths of the rate applicable to matches of identical description produced in the same factory but packed in boxes of 50s and if such packing in boxes of 50s is not done, it shall be four-fifths of the notionally determined rate for matches packed in boxes of 50s.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[No 42/81-CE]

सां.कां.नि० 115 (अ) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के विन मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 99/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 को अधिवृत्त करने हुए, ऐसी दियामलाईयों को जिनके विनिर्माण में या विनिर्माण के सम्बन्ध में निम्नलिखित कोई भी यांत्रिक प्रक्रिया, अर्थात्:—

- (1) बक्से बनाना ;
- (2) फ्रेम बनाना ;

- (iii) दियासलाईयों की सीली के गिरों के लिए मम्मिश्रण में स्प्लिट को डिबोना ;
- (iv) दियासलाईयो को बक्सों में भरना ,
- (v) लेबन और बण्डरोल लगाना ; और
- (vi) पैक करना ,

सामान्यता शक्ति की महायता से नहीं की जाती है, और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 38 के अन्तर्गत आती है, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना प्रत्येक 50 दियासलाईयो के बक्सों के प्रति गुरुस पर 1 60 रुपए से अधिक है .

परन्तु यह तब जबकि ऐसी दियासलाईयो की घरेलू उपयोग के लिए निकासी,—

- (i) किसी विनिर्माता द्वारा ऐसे कारखाने से की जाती है जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा या खादी और ग्रामोद्योग आयोग से सहायता या मान्यता प्राप्त किसी संस्था द्वारा विभागीय रूप से चलाया जाता है और जिसके लिए उस आयोग से इस आशय का प्रमाणपत्र सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में प्रस्तुत किया जाता है, या
- (ii) ऐसे कारखाने से की जाती है जो सहकारी सोसाइटियों से सम्बन्धित तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी सहकारी सोसाइटी (जिसके अन्तर्गत सेवा औद्योगिक सहकारी सोसाइटी है किन्तु कोई विपणन सहकारी सोसाइटी या सहकारी बैंक नहीं है) के स्वामित्वाधीन है या जो उसका सदस्य है :

परन्तु यह और कि जहां दियासलाईयो का उत्पादन ऐसे कारखाने द्वारा किया जाता है जो पूर्वोक्त सहकारी सोसाइटी (जिसके अन्तर्गत सेवा औद्योगिक सहकारी सोसाइटी है किन्तु कोई विपणन सहकारी सोसाइटी या सहकारी बैंक नहीं है) के स्वामित्वाधीन है या जो उसका सदस्य है वहां दियासलाईयो का विक्रय या विपणन ऐसी सहकारी सोसाइटी या किसी राज्य सरकार द्वारा स्थापित किसी अधिकरण की मार्फत किया जाता है :

परन्तु यह और भी कि इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट तभी अनुज्ञात की जाएगी, यदि —

- (क) विनिर्माता यह घोषणा करता है कि ऐसे कारखाने से दियासलाईयां की कुल निकासी,—
  - (i) 1 जुलाई, 1981 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1982 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान 9 करोड़ दियासलाईयो से अधिक होने की संभावना नहीं है ,
  - (ii) 1981-82 के पञ्चात्तर्वर्ती किसी वित्तीय वर्ष के दौरान 12 करोड़ दियासलाईयो से अधिक होने की संभावना नहीं है ,
  - (ख) ऐसे कारखाने से किसी क्लेण्डर मास में उत्पादन 1 करोड़ 50 लाख दियासलाईयो से अधिक नहीं होता है .
- परन्तु यह और भी कि—
- (क) जहां ऐसे कारखाने से दियासलाईयो की निकासी 1 जुलाई, 1981 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1982 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान 9 करोड़ दियासलाईयो से अधिक हो जाती है वहां ऐसी अधिक निकासी पर शुल्क का संदाय प्रत्येक 50 दियासलाईयो के बक्सों के प्रति गुरुस पर 4 50 रुपए की दर से करना अपेक्षित होगा ,
  - (ख) जहां ऐसे कारखाने में दियासलाईयो की निकासी 1981-82 के पञ्चात्तर्वर्ती किसी वित्तीय वर्ष में 12 करोड़ दियासलाईयो

से अधिक हो जाती है वहां ऐसी अधिक निकासी पर शुल्क का संदाय प्रत्येक 50 दियासलाईयो के बक्सों के प्रति गुरुस पर 4.50 रुपए की दर से करना अपेक्षित होगा :

परन्तु यह और भी कि,—

- (i) ऐसे बक्सों में जिनकी बाहरी स्लाइड और भीतरी स्लाइड कार्ड-बोर्ड से बनाई जानी है, पैक की गई दियासलाईयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुस पर साठ पैसे बढ़ा दी जाएगी ,
- (ii) ऐसे बक्सों में जिनकी भीतरी स्लाइड ही कार्ड-बोर्ड से बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाईयो की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुस पर चौबीस पैसे बढ़ा दी जाएगी ;
- (iii) छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुस पर पचास पैसे, यथास्थिति बढ़ा दी जाएगी या और बढ़ा दी जाएगी यदि स्प्लिट के लिए या स्प्लिट और बेनियर के लिए बास का प्रयोग किया जाता है ,
- (iv) यदि ऐसी दियासलाईयो के स्प्लिट बास से बनाए जाते हैं और दियासलाईया 40 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती है तो शुल्क की दर, समरूप वर्णन की ऐसी दियासलाईयो को जो एक ही कारखाने में उत्पादित की जाती है किन्तु 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती हैं, लागू दर की 4/5 होगी और यदि 50 के हिसाब से बक्सों में ऐसी पैकिंग नहीं की जाती है तो वह 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की गई दियासलाईयो के लिए काल्पनिक रूप से अवधारित दर की 4/5 होगी ।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी ।

[सं० 43/81 सी ई]

**G.S.R. 115(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 99/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980, the Central Government hereby exempts matches in or in relation to the manufacture of which none of the following mechanical processes, namely :—

- (i) box making ;
- (ii) frame filling ;
- (iii) dipping of splints in the composition for match heads ;
- (iv) filling of boxes with matches ;
- (v) labelling and banderolling ; and
- (vi) packaging,

is ordinarily carried on with the aid of power, falling under Item No. 38 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 1.60 per gross boxes of 50 matches each :

Provided that the matches are cleared for home consumption—

- (i) by a manufacturer from a factory which is run departmentally by the Khadi and Village Industries Commission or by an institution aided or recognised by the Khadi and Village Industries Commission and for which a certificate from that Commission to this effect is produced to the satisfaction of the Assistant Collector of Central Excise, or
- (ii) from a factory which is owned by, or which is a member of, a co-operative society (including a service industrial co-operative society but excluding a marketing co-operative society or a co-operative bank) registered under any law relating to co-operative societies for the time being in force and assisting exclusively manufacturers of such matches :

Provided further that where the matches are produced by a factory which is owned by, or which is a member of, a co-operative society (including a service industrial co-operative society but excluding a marketing co-operative society or a co-operative bank) aforesaid, the matches are sold or marketed through such co-operative society or an agency established by a State Government :

Provided also that the exemption contained in this notification shall be allowed—

(a) if the manufacturer makes a declaration that the total clearance of matches from such factory,—

(i) during the period commencing on the 1st day of July, 1981 and ending with the 31st day of March, 1982, is not estimated to exceed 90 million matches ;

(ii) during a financial year subsequent to 1981-82, is not estimated to exceed 120 million matches ;

(b) if the production in a calendar month from such factory does not exceed 15 million matches :

Provided also that—

(a) where the clearance of matches from such factory during the period commencing on the 1st day of July, 1981 and ending with the 31st day of March, 1982 exceeds 90 million matches, the duty on such excess clearance shall be required to be paid at the rate of Rs. 4.50 per gross boxes of 50 matches each ;

(b) where the clearances of matches from such factory in a financial year subsequent to 1981-82 exceeds 120 million matches, the duty on such excess clearance shall be required to be paid at the rate of Rs. 4.50 per gross boxes of 50 matches each :

Provided also that—

(i) in the case of matches packed in boxes in which both the outer slide as well as the inner slide are made of card board, the amount of exemption shall be increased by sixty paise per gross of boxes ;

(ii) in the case of matches packed in boxes in which the inner slide alone is made of card board, the amount of exemption shall be increased by twenty-four paise per gross of boxes ;

(iii) the amount of exemption shall be increased, or further increased, as the case may be, by fifty paise per gross of boxes if bamboo is used for the splints or for both splints and veneers ;

(iv) if the splints of such matches are made of bamboo and the matches are packed in boxes of 40s, the rate of duty shall be four-fifths of the rate applicable to matches of identical description produced in the same factory but packed in boxes of 50s and if such packing in boxes of 50s is not done, it shall be four-fifths of the notionally determined rate or matches packed in boxes of 50s.

2. This notification shall come into force on the 1st day of July, 1981.

[No. 43/81-CE]

**सांकांनि० 116(अ).** --केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 44 के अन्तर्गत आने वाली ब्रेल घड़ियों को, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है ।

[सं० 44/81 के०उ०शु०]

**G.S.R. 116(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts braille watches, falling under Item No. 44 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

[No. 44/81-CE]

**सांकांनि० 117(अ).** --केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 104/80 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाली होजरी की वस्तुओं को, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है ।

[सं० 45/81 के०उ०शु०]

**G.S.R. 117(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 104/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980 the Central Government hereby exempts articles of hosiery, falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

[No. 45/81-CE]

**सांकांनि० 118(अ).** --केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 85/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले माल को जो किसी कारखाने में विनिर्मित माल से भिन्न है, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है ।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 से प्रवृत्त होगी ।

[सं० 46/81-के०उ०शु०]

**G.S.R. 118(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 85/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts all goods, falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), other than goods manufactured in a factory, from the whole of the duty of excise leviable thereon.

2. This notification shall come into force with effect from the 1st day of April, 1981.

[No. 46/81-CE]

**सांकांनि० 119(अ).** --केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले और किसी खान में विनिर्मित माल को, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है ।

**स्पष्टीकरण**—इस अधिसूचना में, “खान” शब्द का वही अर्थ है जो खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 2 में है ।

2 यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 से प्रवृत्त होगी ।

[सं० 47/81-के०उ०शु०]

**G.S.R. 119(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods, falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and manufactured in a mine, from the whole of the duty of excise leviable thereon.

**Explanation.**—In this notification, the expression ‘mine’ has the meaning assigned to it in clause (j) of section 2 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952).

2. This notification shall come into force with effect from the 1st day of April, 1981.

[No. 47/81-CE]

**सा०का०नि० 120 (अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 105/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

- (i) दूसरे परन्तुक में “दस लाख रुपए” शब्दों के स्थान पर “बीस लाख रुपए” शब्द रखे जाएंगे;
- (ii) पैरा 3 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्:—

“3. इस अधिसूचना की कोई बात किसी विनिर्माता को लागू नहीं होगी,—

(क) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से किसी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में घरेलू उपयोग के लिए निकासी किए गए उक्त माल का, यदि कोई हो, कुल मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक हो, या

(ख) जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56ग में यथा निर्दिष्ट कोई प्रारम्भिक विनिर्माता है और उक्त नियम में अधिकृत विशेष प्रक्रिया का उपयोग करता है”;

- (iii) स्पष्टीकरण 2 और स्पष्टीकरण 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण 2.—इस अधिसूचना के अधीन निकासियों के मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिए उक्त माल की,—

(क) जिसे केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है, निकासियों को, या

(ख) किसी ऐसे विनिर्माता द्वारा, जो उक्त नियम के नियम 56ग में यथा निर्दिष्ट द्वितीयक विनिर्माता है, किसी विनिर्माता के कारखाने के लिए, जिसे उक्त नियम 56ग में प्रारम्भिक विनिर्माता के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, शुल्क का सदाय किए बिना निकासियों को,

हिसाब में नहीं लिया जाएगा।”

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 से प्रभावी होगी।

[सं० 48/81-के०उ० शु०]

**G.S.R. 120(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 105/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980, namely:—

In the said notification, —

- (i) In the second proviso, for the words “rupees ten lakhs”, the words “rupees twenty lakhs” shall be substituted;

- (ii) for paragraph 3., the following paragraph shall be substituted, namely:—

“3. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer, —

(a) if the total value of the said goods cleared, if any, for home consumption by him or on his behalf from one or more factories in the preceding financial year exceeded rupees thirty lakhs, or

(b) who is a primary manufacturer as referred to in rule 56C of the Central Excise Rules, 1944, and who avails of the special procedure laid down in the said rule.”;

- (iii) for Explanation II and Explanation III, the following shall be substituted, namely:—

“Explanation II.—For the purpose of computing the value of clearances under this notification, the clearances of the said goods, —

(a) which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force, or

(b) by a manufacturer, who is a secondary manufacturer as referred to in rule 56C of the said rules, to the factory of a manufacturer, who is referred to as a primary manufacturer in the said rule 56C, without payment of duty,

shall not be taken into account.”.

2. This notification shall come into force with effect from the 1st day of April, 1981.

[No. 48/81-CE]

**सा०का०नि० 121(अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि भारत सरकार के, यथास्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व और वीमा विभाग या राजस्व विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचनाएं जो इससे उपाबद्ध सारणी के

स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, और संशोधित की जाएंगी।

### सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	39/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 160/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977 163/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977 208/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 2 जुलाई, 1977 74/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978	उक्त प्रत्येक अधिसूचना में, "दस लाख रुपए" शब्दों के स्थान पर "बीस लाख रुपए" शब्द रखे जाएंगे।
2.	158/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977	उक्त अधिसूचना में,— (क) प्रथम परन्तुक में, "दस लाख रुपए" शब्दों के स्थान पर "बीस लाख रुपए" शब्द रखे जाएंगे;  (ख) स्पष्टीकरण के स्थान पर, निम्न-लिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—  "स्पष्टीकरण—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा, किन्तु ऐसे संगत और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से अस्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।"

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं० 49/81 के ०३० शु०]

**GSR. 121(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that the notifications of the

Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue), or Department of Revenue and Banking, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be further amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S.No.	Notification No. and date	Amendment
1	2	3
1.	39/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973 160/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977. 163/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977. 208/77-Central Excises, dated the 2nd July, 1977 74/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978.	In each of the said notifications, for the words "rupees ten lakhs", the words "rupees twenty lakhs" shall be substituted.
2.	158/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977.	In the said notification,— (a) in the first proviso, for the words "rupees ten lakhs", the words "rupees twenty lakhs" shall be substituted;  (b) for the Explanation, the following Explanation shall be substituted, namely:—  "Explanation:—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination."

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[NO. 49/81-CE]

**सांकांनि० 122(अ) :**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 80/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 में निम्नलिखित संशोधन और करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) पैरा 1 में—

(i) खंड (क) में, “पांच लाख रुपए” शब्दों के स्थान पर “साढ़े सात लाख रुपए” शब्द रखे जाएंगे;

(ii) खंड (ख) में, “दस लाख रुपए” शब्दों के स्थान पर “साढ़े सात लाख रुपए” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—  
“2. इस अधिसूचना की कोई बात किसी विनिर्माता को लागू नहीं होगी,—

(i) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से घरेलू उपभोग के लिए एक या अधिक कारखानों से निकासी किए गए सभी उत्पाद-शुल्क माल का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान बीस लाख रुपए से अधिक हो गया हो;

(ii) यदि विनिर्दिष्ट माल का कुल मूल्य जिसकी निकासी घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से की जाती है, पन्द्रह लाख रुपए से अधिक हो गया हो।”;

(ग) पैरा 4 में, “पैरा 1 के खंड (क) और (ख) के आधार पर क्रमशः पांच लाख रुपए और दस लाख रुपए” शब्दों, कोष्ठकों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर “पैरा 1 के खंड (क) या खंड (ख) के आधार पर साढ़े सात लाख रुपए” शब्द, कोष्ठक, अक्षर और अंक रखे जाएंगे।”

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं० 50/81-के०उ०]

**G.S.R. 122(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 80/80-Central Excises. dated the 19th June, 1980, namely :—

In the said notification,—

(a) in paragraph 1—

(i) in clause (a), for the words ‘rupees five lakhs’, the words ‘rupees seven and a half lakhs’ shall be substituted;

(ii) in clause (b), for the words ‘rupees ten lakhs’, the words ‘rupees seven and a half lakhs’ shall be substituted;

(b) for paragraph 2, the following paragraph shall be substituted, namely :—

“2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer,—

(i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs;

(ii) if the aggregate value of clearances of the specified goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs.”;

(c) in paragraph 4, for the words, brackets, letters and figure “rupees five lakhs and rupees ten lakhs respectively in terms of clauses (a) and (b) of paragraph 1”, the words, brackets, letters and figure “rupees seven and a half lakhs in terms of clause (a) or clause (b) of paragraph 1” shall be substituted.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[No. 50/81-CE]

**सांकांनि० 123(अ) :**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (यथास्थिति, राजस्व विभाग या राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचनाएं जो इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से और संशोधित की जाएंगी।

#### सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
1	2	3
1.	24/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1965	उक्त अधिसूचना में, सारणी में, क्रम सं० 4 और उसके सामने की प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।
2.	140/66-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 24 सितम्बर, 1966	उक्त अधिसूचना में, “मद सं० 30 की उपमद (ग) के अन्तर्गत सम्मिलित” शब्दों, अंकों, अक्षरों और कोष्ठकों के स्थान पर “मद

1	2	3	1	2	3
		सं० 30 की उपमद (घ) के अन्तर्गत आने वाले" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे।	2. 140/66-Central Excises, dated the 24th September, 1966.		In the said notification, for the words, brackets, letter and figures "falling under sub-item (C) of Item No. 30", the words, brackets, letters and figures "falling under sub-item (D) of Item No. 30" shall be substituted.
3. 73/68-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 13 अप्रैल, 1968	उक्त अधिसूचना में,— (i) "मद सं० 30 की उपमद (ग) के अन्तर्गत सम्मिलित" शब्दों, अंकों, कोष्ठकों और अक्षरों के स्थान पर "मद सं० 30 की उपमद (घ) के अन्तर्गत आने वाले" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे ;  (ii) "मद सं० 30 की उपमद (क) और (ख) के अन्तर्गत सम्मिलित" शब्दों, अंकों, अक्षरों और कोष्ठकों के स्थान पर "मद सं० 30 की उपमद (क) में (ग) तक के अन्तर्गत आने वाले" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे।		3. 73/68-Central Excises, dated the 13th April, 1968.		In the said notification,— (i) for the words, brackets, letter, and figures "falling under sub-item (C) of Item No. 30", the words, brackets, letter and figures "falling under sub-item (D) of Item No. 30", shall be substituted;  (ii) for the words, brackets, letters and figures "falling under sub-items (A) and (B) of Item No. 30", the words brackets, letters and figures "falling under sub-items (A) to (C) of Item No. 30" shall be substituted.
4. 8/74-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जनवरी, 1974	उक्त अधिसूचना में, जहां कहीं "मद सं० 16 की उपमद (1) के अन्तर्गत सम्मिलित" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक आते हैं, उनके स्थान पर, "मद सं० 16 की उपमद I(1) के अन्तर्गत आने वाले" शब्द, अंक, अक्षर और कोष्ठक रखे जाएंगे।		4. 8/74-Central Excises, dated the 18th January, 1974.		In the said notification, for the words, brackets, figures and letters "falling under sub item (1) of Item No. 16", wherever they occur, the words, figures, brackets and letters "falling under sub-item I(1) of item No. 16" shall be substituted.

[सं० 51/81 के०उ०]

S.R. 133. — In exercise of the powers of conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue or Department of Revenue and Insurances, as the case may be) specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be further amended, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S.	Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)	(3)
1.	24/65-Central Excises, dated the 28th February, 1965.	In the said notification in the Table, S.No. 4 and the entries, against it shall be omitted.

[No. 51/81 CE]

सांका०नि० 124(अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के यथास्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग या राजस्व विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की निम्नलिखित अधिसूचनाएं बिखण्डित करती है, अर्थात्:—

1. अधिसूचना सं० 249/67-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 8 नवम्बर, 1967।
2. अधिसूचना सं० 123/74-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 अगस्त 1974।
3. अधिसूचना सं० 161/76-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 12 मई, 1976।
4. अधिसूचना सं० 124/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977।

5 अधिसूचना सं० 204/77—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 जून, 1977।

6. अधिसूचना सं० 129/80—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 31 जुलाई, 1980।

7. अधिसूचना सं० 151/80—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 अक्टूबर 1980।

[सं० 52/81 के०उ०]

**G.S.R. 124(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue), or the Department of Revenue and Banking, as the case may be, namely :—

1. Notification No. 249/67—Central Excises dated the 8th November, 1967.
2. Notification No. 123/74—Central Excises dated the 1st August, 1974.
3. Notification No. 161/76—Central Excises dated the 12th May, 1976.
4. Notification No. 124/77—Central Excises dated the 18th June, 1977.
5. Notification No. 204/77—Central Excises dated the 25th June, 1977.
6. Notification No. 129/80—Central Excises dated the 31st July, 1980.
7. Notification No. 151/80—Central Excises dated the 3rd October, 1980.

[No. 52/81-CE]

**सा०का०नि० 125(अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 197/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 नवम्बर, 1962 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) की क्रम सं० 1 के सामने,

- (1) “संश्लिष्ट रबड़ और संश्लिष्ट रबड़ लेटेक्स” प्रविष्टि के स्थान पर (‘संश्लिष्ट रबड़ जिसके अन्तर्गत संश्लिष्ट रबड़ लेटेक्स और पूर्व, बल्कीकृत संश्लिष्ट रबड़ लेटेक्स’ प्रविष्टि रखी जाएगी, और
- (2) अन्त में निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—  
“पोलीएस्टर फिल्म”।

[सं० 53/81 के०उ०]

**G.S.R. 125(E).**—In exercise of the powers conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 197/62-Central Excises, dated the 17th November, 1962, namely :—

In the Table annexed to the said notification, in column (2), against S. No. 1,—

(i) for the entry “Synthetic rubber and synthetic rubber latex”, the entry “Synthetic rubber including synthetic rubber latex and pre-vulcanised synthetic rubber latex” shall be substituted; and

(ii) the following entry shall be inserted at the end, namely :—

“Polyester films”.

[No. 53/81-CE]

**सा०का०नि० 126(अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56क के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 223/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 दिसम्बर 1962 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, मद 55 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“56 पोलीएस्टर फिल्म”।

[सं० 54/81 के०उ०]

**G.S.R. 126(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 223/62-Central Excises, dated the 29th December, 1962, namely :—

In the said notification, after Item 55, the following Item shall be inserted, namely :—

“56. Polyester films.”

[No. 54/81-CE]

**सा०का०नि० 127(अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173क के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, यथास्थिति, राजस्व विभाग या राजस्व और बीमा विभाग अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 171/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 जून, 1969, 121/70 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 मई 1970, 179/71—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 23 सितम्बर, 1971, 195/71—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 12 नवम्बर, 1971, 117/72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1972, 161/73—

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 अगस्त, 1973, 33/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1976, 188/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977, 69/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978, 97/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 और 76/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 के अनुक्रम में निम्नलिखित उत्पाद-शुल्क माल को ऐसे उत्पाद-शुल्क माल के रूप में और विनिर्दिष्ट करती है जिसको उक्त नियमों के अध्याय 7 के उपबन्ध लागू होंगे, अर्थात् :-

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 15 खख में समाविष्ट माल।

[सं० 55/81 के०उ०]

टी०आर० रुस्तगी, अवसर सचिव

**G.S.R. 127(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 173A of the Central Excise Rules, 1944, and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue or Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue and Banking, as the case may be, Nos. 171/69-Central Excises, dated the 21st June, 1969, 121/70-Central Excises, dated the 28th May, 1970, 179/71-Central Excises, dated the 23rd September, 1971, 195/71-Central Excises, dated the 12th November, 1971, 117/72-Central Excises, dated the 25th March, 1972, 161/73-Central Excises, dated the 16th August, 1973, 33/76-Central Excises, dated the 28th February, 1976, 188/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, 69/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, 97/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979 and 76/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980, the Central Government hereby further specifies the following excisable goods to which the provisions of Chapter VII-A of the said rules shall apply, namely :—

The goods comprised in Item No. 15BB of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

[No. 55/81-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1981

#### केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

**सा०का०नि० 128(अ).**—पोलिएस्टर फिल्म, वित्त विधेयक 1981 के खंड 48 द्वारा, जो 'खंड अन्तर्गत कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 15 खख में विनिर्दिष्ट की गई हैं ;

और यह आशयिन नहीं है कि पूर्वोक्त विधेयक के अधिनियम के निम्नलिखित रहने के दौरान, ऐसी पोलिएस्टर फिल्म पर उक्त पहली अनुसूची की मद 15 क और 15खख के अधीन उत्पाद-शुल्क उद्गृहीत और संगृहीत किया जाना चाहिए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पोलिएस्टर

फिल्म को, वित्त विधेयक, 1981 के अधिनियमित होने तक, उक्त मद 15क के अधीन उन पर उद्गृहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है।

[सं० 56/81 के०उ०]

र०कु० चक्रवर्ती, उप सचिव

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st March, 1981

#### CENTRAL EXCISES

**G.S.R. 128(E).**—Whereas polyester films have been specified in Item No. 15BB of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) by clause 48 of the Finance Bill, 1981, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law ;

And whereas it is not intended that, pending the enactment of the Bill aforesaid, duties of excise should be levied and collected on such polyester films both under Item 15A and 15BB of the said First Schedule ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts, until the enactment of the Finance Bill, 1981, polyester films, from the whole of the duty of excise leviable thereon under the said Item 15A.

[No. 56/81-CE]

R. K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.

#### अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1981

#### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

**सा०का०नि० 129(अ).**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (सातवां संशोधन नियम, 1981) है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1981 से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56ख के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“56ग. शुल्क का संदाय किए बिना मद संख्या 68 के अधीन आने वाले तैयार माल के संचलन के लिए विशेष प्रक्रिया :—

(1) नियम 9 या नियम 9क में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी कलक्टर, विशेष आदेश द्वारा और एक बन्धपत्र का निष्पादन करके तथा

ऐसी अन्य शर्तों के, जो उनके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, अधीन रहने हुए और उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहने हुए किसी विनिर्माता को (जिसे इस नियम में इसके पश्चात् प्रारम्भिक विनिर्माता कहा गया है) अधिनियम की पहली अनुसूची की मद संख्या 68 के अधीन आने वाले किसी उत्पाद शुल्क योग्य माल को अपने कारखाने में तैयार माल के विनिर्माता के (जिसे इस नियम में इसके पश्चात् द्वितीयक विनिर्माता कहा गया है) कारखाने से शुल्क का मदाय किए बिना ले जाने की अनुज्ञा दे सकेगा यदि ऐसा माल तैयार माल के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा प्रदत्त —

(क) उक्त मद संख्या 68 के अधीन आने वाले उत्पाद-शुल्क योग्य माल,

या

(ख) किसी अन्य माल

में से बनाया गया हो

परन्तु जहां खण्ड (क) में निर्दिष्ट माल प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा विनिर्मित है वहां ऐसे माल तैयार माल के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए, उसके कारखाने से शुल्क का मदाय किए बिना हटाए जा सकेंगे।

(2) उपनियम (2) के अधीन किसी प्रारम्भिक विनिर्माता द्वारा लागू गए तैयार माल,—

(क) समुचित दर पर शुल्क का मदाय किए जाने पर, या

(ख) वन्धपत्र के अधीन नियत के लिए शुल्क का मदाय किए बिना, या

(ग) ऐसे माल के निवाय, जो किसी माल के उत्पादन या प्रसंस्करण के लिए आशयित सम्पूर्ण मशीनरी की प्रकृति के हैं, उत्पाद-शुल्क योग्य माल के विनिर्माण के लिए उसके कारखाने के भीतर कच्चे माल के रूप में या संघटक पुरजों के रूप में उपयोग के लिए, शुल्क का मदाय किए बिना; या

(घ) परिसंस्करण, अनुकूलन, मरम्मत या ऐसे ही प्रसंस्करण प्रयोजन के लिए, द्वितीयक विनिर्माता को शुल्क का मदाय किए बिना; या

(ङ) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण करने के पश्चात् आगे विनिर्माण के लिए किसी विनिर्माता को, शुल्क का मदाय किए बिना, हटाए जा सकेंगे।

(3) जहां शुल्क का मदाय किए बिना उपनियम (1) के परन्तुक के अधीन हटाए गए माल इस रूप में सम्पत्ति के रूप में लेखे में नहीं लिए गए हैं कि उनका उपयोग तैयार माल के लिए किया गया है या जहां इस प्रकार हटाए गए माल या तैयार माल के बारे में समुचित अधिकारी के समाधानप्रद रूप में यह दर्शित नहीं किया गया है कि वे यह तो 1396 GI/80—4

प्रारम्भिक विनिर्माता के कारखाने में द्वितीयक विनिर्माता के कारखाने को यह, यथास्थिति, द्वितीयक विनिर्माता के कारखाने से प्रारम्भिक विनिर्माता के कारखाने को परिवहन के दौरान या ऐसे माल के या तैयार माल के या तो प्रारम्भिक विनिर्माता के या द्वितीयक विनिर्माता के कारखाने में उठाई-धराई या भण्डारण के दौरान प्राकृतिक कारणों में या अप्रतिहत दुर्घटना के कारण खो गए हैं या विनष्ट हो गए हैं, वहां प्रारम्भिक विनिर्माता समुचित अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर, ऐसे माल या तैयार माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क का मदाय करेगा।

(4) जहां किसी माल या तैयार माल पर इन नियमों के उपबन्धों के अधीन शुल्क प्रभार्य हो जाता है वहां ऐसे माल या तैयार माल को लागू शुल्क का रेट और टैरिफ मूल्यांकन, यदि कोई हो,—

(क) प्रारम्भिक विनिर्माता के कारखाने से तैयार माल के वास्तविक हटाए जाने के मामले में, ऐसे हटाए जाने की तारीख को;

(ख) प्रारम्भिक विनिर्माता के कारखाने में उठाई-धराई या भण्डारण के दौरान तैयार माल की हानि के मामले में उस तारीख को जिसको ऐसी हानि का समुचित अधिकारी को पता लगता है या उसे जानकारी दी जाती है;

(ग) किसी अन्य मामले में जिस तारीख को शुल्क का मदाय किया गया है, प्रवृत्त रेट और टैरिफ मूल्यांकन होगा।

(5) यदि उपनियम (1) के खण्ड (क) के अधीन प्रारम्भिक विनिर्माता में द्वितीयक विनिर्माता द्वारा प्राप्त माल अधिशेष है या लुप्टपूर्ण है या खराब है या किसी कारण से तैयार माल के विनिर्माण के लिए अनुपयुक्त है। ऐसा माल प्रारम्भिक विनिर्माता के कारखाने को लौटा दिया जाएगा और सभी ऐसे लागू हुए माल प्रारम्भिक विनिर्माता के ऐसे स्टॉक में जिन पर शुल्क नहीं दिया गया है, जोड़ दिया जाएगा और उसके बारे में तदनन्तर कार्यवाही की जाएगी।

(6) जहां कोई प्रारम्भिक विनिर्माता या द्वितीयक विनिर्माता इस नियम के किसी उपबन्धों का उल्लंघन करता है वहां क्लकट उपनियम (1) के अर्थ में दी गई अनुज्ञा को वापिस लेने के अनिवार्य,—

(क) उपनियम (क) के अधीन निष्पादित वन्धपत्र मद्धे अनुज्ञापित प्रतिभूति के समपहरण;

(ख) प्रारम्भिक विनिर्माता या द्वितीयक विनिर्माता के कारखाने में भण्डारण माल या, यथास्थिति, तैयार माल के अधिहरण, को आदेश दे सकेगा।

(7) उपधारा (1) में, कि कोई बात ऐसे मामले में लागू नहीं होगी जहां अधिनियम की पहली अनुसूची की मद संख्या 68 के अधीन आने वाले माल या तैयार माल का शुल्क की सहायता के बिना, यथास्थिति, विनिर्माण किया गया है या किया जाता है।

## NOTIFICATIONS

New Delhi the 1st March, 1981

## CENTRAL EXCISES

**G.S.R. 129(E).**—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely —

1 (1) These rules may be called the Central Excise (7th Amendment) Rules, 1981

(2) They shall come into force on the 1st day of April 1981

2 In the Central Excise Rules, 1944, after rule 56B, the following rule shall be inserted, namely —

56C Special procedure for the movement of finished goods falling under item No 68 without payment of duty —(1) Notwithstanding anything contained in rule 9 or rule 9A, the Collector may, by special order and subject to the execution of a bond and such other conditions as may be specified by him and subject to the provisions of sub-rule (2), permit a manufacturer (hereafter in this rule referred to as the primary manufacturer) to bring any excisable goods falling under Item No 68 of the First Schedule to the Act (the goods so brought being hereafter in this rule referred to as the finished goods) to his factory without payment of duty from the factory of the manufacturer of the finished goods (hereafter in this rule referred to as the secondary manufacturer) if such goods were made out of—

(a) excisable goods falling under the said Item No 68,

or

(b) any other goods

supplied by the primary manufacturer for the purposes of manufacture of the finished goods :

Provided that where goods referred to in clause (a) are manufactured by the primary manufacturer, such goods may for the purposes of the manufacture of the finished goods, be removed from his factory without payment of duty

(2) The finished goods brought by a primary manufacturer under sub rule (1) may be removed—

(a) on payment of duty at the appropriate rate, or

(b) without payment of duty for export under bond, or

(c) without payment of duty except for such goods which are in the nature of complete machinery meant for producing or processing any goods, for use within his factory as raw materials or component parts for the manufacture of excisable goods ; or

(d) without payment of duty to the secondary manufacturer for the purposes of refining, reconditioning, repairing or any similar process ; or

(e) without payment of duty, to any manufacturer for further manufacture after following the procedure specified in sub-rule (1)

(3) Where goods removed under the proviso to sub-rule (1) without payment of duty are not duly accounted for as having been used for the manufacture of the finished goods, or where the goods so removed or the finished goods are not shown to the satisfaction of the proper officer to have been lost or destroyed by natural causes or by unavoidable accident during transport either from the factory of the primary manufacturer to the factory of the secondary manufacturer, or, as the case may be, from the factory of the secondary manufacturer to the factory of the primary manufacturer, or during handling or storage of such goods or finished goods, either in the factory of the primary manufacturer or the secondary manufacturer, the primary manufacturer shall, on demand by the proper officer pay the duty leviable on such goods or finished goods

(4) Where the duty becomes chargeable under the provisions of this rule on any goods or finished goods, the rate of duty and the tariff valuation if any, applicable to such goods and the finished goods shall be the rate and tariff valuation in force,—

(a) in the case of actual removal of the finished goods from the factory of the primary manufacturer, on the date of such removal,

(b) in the case of loss of finished goods during handling or storage in the factory of the primary manufacturer, on the date on which such loss is discovered by the proper officer or made known to him ;

(c) in any other case on the date on which duty is paid

(5) If the goods received by the secondary manufacturer from the primary manufacturer under clause (a) of sub-rule (1) are found to be surplus or defective or damaged or unsuitable for the manufacture of finished goods for any reason such goods shall be returned to the factory of the primary manufacturer and all such returned goods shall be added to the non duty paid stock of the primary manufacturer and dealt with accordingly

(6) Where a primary manufacturer or secondary manufacturer contravenes any of the provisions of this rule, the Collector may in addition to the withdrawal of the permission given under sub rule (1), order—

(a) forfeiture of the security deposited towards the bond executed under sub rule (1),

(b) confiscation of the goods or, as the case may be the finished goods in store in the factory of the primary manufacturer or the secondary manufacturer

(7) Nothing in sub-rule (1) shall apply in a case where the goods or finished goods falling under Item No 68 of the First Schedule to the Act have been or, as the case may be are manufactured without the aid of power

सां. कां. निं. 130(ई):—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 119/75 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 30 अप्रैल, 1975 को विखण्डित करती है।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होगी।

[सं. 58/81 के.उ.]

टी० आर० रुस्तगी, अवर सचिव

**G.S.R. 130(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 119/75-Central Excises, dated the 30th April, 1975.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[No. 58/81-C.E.]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.